रवीना टंडन ने दिलकश अदाओं से बनाया दीवाना

बॉलीवुड में अभिनेत्री रवीना टंडन को एक ऐसी अभिनेत्री के तौर पर शुमार किया जाता है जिन्होंने अपनी दिलकश अदाओं से दर्शकों को दीवाना बनाया है. रवीना टंडन का जन्म 26 अक्टूबर को मुंबई में हुआ. पिता रवि और मां वीणा टंडन के नाम को मिलाकर उनका नाम रवीना टंडन रखा गया. रवीना को अभिनय की कला विरासत में मिली. उनके पिता जाने-माने फिल्म निर्माता थे.

रवीना ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा मुंबई के जमनाबाई स्कूल से पूरी की. इसके बाद उन्होंने मुंबई के मशहूर मिट्ठीभाई कॉलेज में दाखिला लिया. इस दौरान उनकी मुलाकात निर्देशक शांतनु शोरी से हुयी. उन्होंने रवीना को फिल्मों में काम करने की सलाह दी. इसके बाद कॉलेज में पढ़ाई छोड़कर रवीना फिल्मों में अभिनेत्री बनने का ख्वाब देखने लगी. रवीना ने अपने सिने करयिर की शुरूआत वर्ष 1991 में प्रदर्शित फिल्म 'पत्थर के फूल' से की. जी.पी. सिप्पी निर्मित इस फिल्म में नायक की भूमिका सलमान खान ने निभाई थी. यह फिल्म हालांकि टिकट खिड़की पर सफल नहीं हो सकी लेकिन रवीना टंडन के अभिनय को दर्शकों ने काफी सराहा. इसके साथ ही वह नवोदित अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित की गयी.

करण की फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे भुवन

यूट्यूब स्टार भुवन बाम ने बॉलीवुड एक्टर बनने का सपना भी देख रखा था और अब उनका ये सपना पूरा होने जा रहा है. उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर

बताया है कि करण जौहर की फिल्म के जरिए वो अपने कदम बड़े पर्दे पर रखने जा रहे हैं.

यूट्यूब की दुनिया में अपनी खास और बड़ी पहचान बना चुके भुवन बाम अब एक नया अध्याय शुरू करने जा रहे हैं. यूट्यूब की दुनिया में तहलका मचाने के बाद अब भुवन हिंदी सिनेमा में अपने कदम रखने जा रहे हैं, वो भी मशहूर फिल्ममेकर करण जौहर की फिल्म के जरिए. भुवन ने खुद सोशल मीडिया पर ये जानकारी शेयर की है. इसके बाद फैंस और सेलेब्स उन्हें जमकर बधाई और शुभकामनाएं दे रहे हैं.

31 वर्षीय भुवन बाम ने यूट्यूब पर छोटे-मोटे वीडियो बनाकर अपनी शुरुआत की थी. सालों तक वो मेहनत करते रहे और फिर भारत में यूट्यूब के सबसे बड़े स्टार बन गए. वो ओटीटी के जरिए अपनी एक्टिंग का लोहा भी मनवा चुके हैं, जबकि अब भुवन बड़े पर्दे पर एंट्री लेने जा रहे हैं. वो खुद से उम्र में बड़ी एक्ट्रेस के साथ धमाल मचाते हुए नजर आएंगे.

बड़ी स्टारकास्ट, बेहतरीन स्टोरी, फिर भी फ्लॉप!

हर साल सिनेमा में कई फिल्में आती हैं — कुछ बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ देती हैं, तो कुछ अपने मजबूत कॉन्सेप्ट के बावजूद नजरअंदाज हो जाती हैं. बॉलीवुड और साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी ऐसी कई फिल्में हैं जिनकी कहानी, अभिनय और प्रस्तुति शानदार थी, लेकिन टिकट खिड़की पर उनका जादू नहीं चला.

शाहरुख खान, वरुण धवन, कार्तिक आर्यन, विजय देवरकोंडा जैसे बड़े स्टार्स की इन फिल्मों में कुछ नया कहने की हिम्मत थी, जो मसाला फॉर्मूले से अलग थीं. भले ही इन फिल्मों ने बजट नहीं वसूला, लेकिन आज इन्हें क्लासिक अंडररेटेड जेम्स माना जाता है. फिल्मों की दुनिया में सफलता हमेशा बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से नहीं मापी जा सकती. कुछ फिल्में ऐसी होती हैं जो कहानी, निर्देशन और परफॉर्मेंस के मामले में बेहतरीन होती हैं, लेकिन फिर भी व्यावसायिक सफलता से दूर रह जाती हैं. आज हम बात कर रहे हैं ऐसी ही फिल्मों की — जिनकी कहानी कमाल की थी, लेकिन कमाई ने साथ नहीं दिया. डबल रोल में शाहरुख ने एक स्टार और उसके जुनूनी फैन दोनों का किरदार निभाया. फिल्म ने स्टारडम और पहचान के पीछे की मनोवैज्ञानिक जंग को दिखाया. राजनीति, प्रेम और एक महिला एथलीट के संघर्ष को एक ही धागे में पिरोया गया. सशक्त कहानी, लेकिन सीमित दर्शक वर्ग के कारण बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली.

पैरों से बनी कलाकृति ने छुआ महानायक का दिल

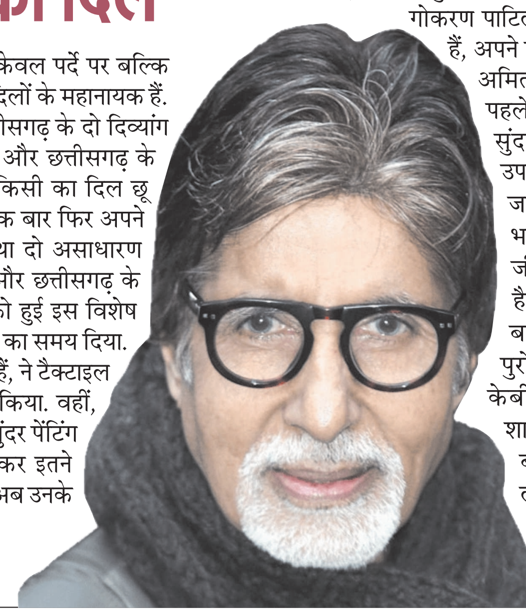

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन न केवल पर्दे पर बल्कि असल जिंदगी में भी करोड़ों लोगों के दिलों के महानायक हैं. हाल ही में उन्होंने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के दो दिव्यांग फैंस — इंदौर की गुरदीप कौर वासु और छत्तीसगढ़ के गोकरण पाटिल से मुलाकात की, जिसने हर किसी का दिल छू लिया. बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन एक बार फिर अपने फैंस के दिलों को जीत गए. इस बार मौका था दो असाधारण दिव्यांग फैंस — इंदौर की गुरदीप कौर वासु और छत्तीसगढ़ के गोकरण पाटिल से मुलाकात का. 9 अक्टूबर को हुई इस विशेष मुलाकात में बिग बी ने दोनों को करीब 25 मिनट का समय दिया. गुरदीप, जो जन्म से ही दृष्टिहीन, मूक और बधिर हैं, ने टैक्टाइल साइन लैंग्वेज के माध्यम से अमिताभ से संवाद किया. वहीं, गोकरण ने अपने पैरों से बनाई बिग बी की एक सुंदर पेंटिंग भेंट की. अमिताभ बच्चन यह कलाकृति देखकर इतने भावुक हुए कि उनकी आंखें भर आईं. यह पोर्ट्रेट अब उनके बंगले 'जलसा' में सजेगा.

गुरदीप कौर वासु (34) जन्म से ही दृष्टिहीन, मूक और बधिर हैं. उन्हें टैक्टाइल साइनिंग 'स्पर्श लिपि' के ज़रिए प्रशिक्षित किया गया है. उनकी पांच साल से इच्छा थी कि वे अपने पसंदीदा स्टार अमिताभ बच्चन को छूकर महसूस कर सकें. मुलाकात के दौरान उन्होंने अमेरिकन टैक्टाइल पद्धति से बिग बी की हथेली पर उनका नाम लिखा — यह पल अमिताभ के लिए बेहद भावुक कर देने वाला रहा. वहीं, 44 वर्षीय गोकरण पाटिल, जो दोनों हाथों से दिव्यांग हैं, अपने पैरों से पेंटिंग बनाते हैं. उन्होंने अमिताभ बच्चन के जन्मदिन से पहले अपने पैरों से उनकी एक सुंदर तस्वीर बनाई और उपहारस्वरूप भेंट की.

जब बिग बी ने इसे देखा, तो वे भावुक होकर बोले — यह मेरे जीवन का सबसे खास उपहार है. इस मुलाकात को संभव बनाया ज्ञानेंद्र और मोनिका पुरोहित दंपति ने, जो 2020 में केबीसी कर्मवीर एपिसोड में शामिल हुए थे. उसी शो में बिग बी ने दिव्यांगों के लिए रु. 11 लाख का दान दिया था. पुरोहित दंपति ने तीन साल की कोशिशों के बाद यह मुलाकात संभव

फिल्म जटाधारा भावनात्मक लोरी गीत जो लाली जो रिलीज

सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा अभिनीत और जी स्टूडियोज और प्रोड्यूसर प्रेरणा अरोड़ा प्रस्तुत फिल्म जटाधारा का दिल को छू लेने वाली लोरी जो लाली जो रिलीज हो गया है. शिविन कश्यप द्वारा लिखे और संगीतबद्ध इस गीत में भावपूर्ण बोल और सुरीली आवाज एक मां के स्नेह, ममता और त्याग को बड़े ही संवेदनशील तरीके से व्यक्त करती है.

यह ट्रैक फिल्म के आध्यात्मिक और मानवीय पहलुओं को जोड़ने वाला भावनात्मक धागा है. इस लोरी गीत के बारे में प्रोड्यूसर प्रेरणा अरोड़ा का कहना है, 'जो लाली जो' सिर्फ एक गाना नहीं है, बल्कि यह जटाधारा की धड़कन है. इस गीत के करिए दर्शक एक माँ की दुआ की मासूमियत और बिछड़ने के दर्द को एक ही सांस में महसूस करेंगे. हालांकि मेरे अनुसार यह उन दुर्लभ गीतों में से एक है, जो सोचने से पहले आपको महसूस करा देती है. फिल्म के निर्माता उमेश कुमार बंसल ने कहा, यह गीत जटाधारा की आत्मा को परिभाषित करता है, जो भावना, ऊर्जा और जागृति से भरपूर है. 'जो लाली जो' का हर फ्रेम वह सच्चाई दिखाता है, जिसे हम सभी ने जिया है और जाना है कि माँ का प्यार हमारी पहली लोरी भी है और जीवन भर की ताकत भी है.

अभिनेता सुधीर बाबू ने बताया, 'जो लाली जो' की शूटिंग मेरे लिए बहुत व्यक्तिगत थी. ये गीत मुझे मेरी माँ के साथ, मेरे अपने रिश्ते में वापस ले गया, जहां रिश्ते की पवित्रता, स्थिरता और भावनात्मक गहराई आज भी मौजूद है. सच पूछिए तो इस गाने में एक ऐसी शांति है, जो बिना बोले सब कह जाती है. इस लोरी गीत में नजर आ रही वरिष्ठ अभिनेत्री इंदिरा कृष्णन ने कहा, शूटिंग के दौरान 'जो लाली जो' ने हमें भावनाओं के उस सच्चे एहसास तक पहुंचाया, जहां हर किसी की आंखें नम थीं, फिर चाहे वे कलाकार हों या क्रू के सदस्य. यह ऐसा गीत है जो आपको आपके माता-पिता के अनकहे त्याग, उनकी जागी रातों और उनके असीम प्रेम की याद दिलाता है.

सतीश ने हास्य अभिनय से दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

बॉलीवुड में सतीश शाह को ऐसे अभिनेता के तौर पर याद किया जायेगा, जिन्होंने अपने जबरदस्त हास्य अभिनय से दर्शकों को हंसाया, गुदगुदाया और हर किरदार में जान डाल दी. सतीश शाह का जन्म 25 जून 1951 को हुआ था. उनका परिवार मूलरूप से गुजरात के मांडवी का रहने वाला था. उनके पिता का मुंबई में अपना एक छोटा सा व्यापार था.

स्कूल के दिनों में सतीश शाह को अभिनय में कोई दिलचस्पी नहीं थी. वह खेल के शौकीन थे. एक बार स्कूल के सालाना समारोह में नाटकों में जब कलाकारों की की कमी पड़ी तो हिंदी के शिक्षक ने सतीश शाह का नाम नाटक करने वाले बच्चों की सूची में लिख लिया. सतीश शाह काफी नर्वस हो गए. सतीश नाटक शुरू होने से

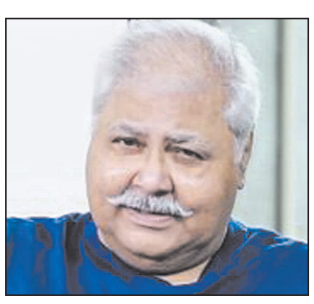

पहले बुरी तरह घबरा गए. सतीश शाह को घबराता देखकर शिक्षक ने उनसे कहा कि दर्शकों की तरफ देखना ही मत. तुम बस ऊपर देखकर अपने डायलॉग बोल देना. हुआ नाटक शुरू होने पर सतीश शाह ने दर्शकों की तरफ ज़रा भी नहीं देखा. नाटक खत्म होने पर सतीश शाह को स्टैंडिंग ओविएशन मिला. इसके बाद सतीश शाह ने तय कर लिया कि अब तो उन्हें अभिनेता ही बनना है. कॉलेज में दाखिला लेने के बाद पढ़ाई के साथ-साथ सतीश शाह ने नाटकों में काम करना भी जारी रखा. कॉलेज खत्म हुआ तो सतीश शाह पुणे में मौजूद फिल्म एंड टेलिविज़न इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया पहुंच गये. सतीश शाह ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत वर्ष 1970 में प्रदर्शित फिल्म भगवान परशुराम से की थी. वह 1978 में प्रदर्शित फिल्म अरविंद देसाई की अजीब कहानी और वर्ष 1979 में फिल्म गमन में नज़र आए लेकिन पहचान नहीं बना सके. वर्ष 1981 प्रदर्शित फिल्म उमराव जान और अल्बर्ट पिंटो को गुस्सा क्यों आता है में काम कर सतीश शाह कुछ हद तक पहचान मिली. वह 1982 में प्रदर्शित फिल्म शक्ति में अमिताभ बच्चन और दिलीप कुमार जैसे महान कलाकारों के साथ नज़र आए.

ओ रोमियो में तृप्ति और शाहिद का धांसू एक्शन

शाहिद कपूर की पिछली फिल्म बेशक फ्लॉप रही हो, पर अभी भी वो बड़ी प्लानिंग के साथ आगे बढ़ रहे हैं. इस साल उनकी एक पिक्चर रिलीज होने वाली थी, पर उसे फिलहाल अगले साल के लिए शिफ्ट कर दिया गया है. शाहिद कपूर की अगली फिल्म है- ओ रोमियो जिसमें उनके साथ तृप्ति डिमरी भी काम कर रही हैं.

शाहिद कपूर के खाते में इस वक्त कई फिल्में हैं. पर 'देवा' के फ्लॉप होने के बाद से ही उनका फोकस अगली पिक्चर पर था. विशाल भारद्वाज वाली फिल्म को पहले इसी साल दिवाली पर रिलीज किया जाना था. पर बाद में साल 2026 के लिए पिक्चर को शिफ्ट कर दिया गया. ओ रोमियो में शाहिद कपूर के साथ तृप्ति डिमरी काम कर रही हैं. इसी बीच एक धांसू एक्शन क्लाइमैक्स के साथ शूट कंप्लीट हो गया है. दरअसल यह शाहिद कपूर और विशाल भारद्वाज का चौथा कोलैबोरेशन है. कमीने, हैदर और रंगून के बाद 'ओ रोमियो' में साथ आए हैं.

हाल ही में एक न्यूज वेबसाइट पर रिपोर्ट छपी. जिससे पता लगा कि फिल्म का क्लाइमैक्स सीन एकदम हाई वोल्टेज वाला रहा. फिल्म का काम इसी साल जनवरी में शुरू हुआ था, जो अब जाकर कंप्लीट हो गया है.

यंग इंडिया

मध्यप्रदेश में शुरू हुई 'मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना'

हर महीने मिलेगा 10,000 तक स्टायपेंड

मध्यप्रदेश सरकार ने युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक बड़ी पहल की है. मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना तहत राज्य सरकार युवाओं को सीखने के साथ कमाने का अवसर दे रही है. इस योजना में युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाएगा और इसके साथ 8,000 से 10,000 तक का मासिक स्टायपेंड भी मिलेगा. सरकार का लक्ष्य है कि इस योजना के जरिए एक लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया जाए ताकि वे रोजगार के लिए तैयार हों या अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकें. यह योजना खासकर उन युवाओं के लिए है जिन्होंने 12वीं, आईटीआई, या डिप्लोमा जैसी शिक्षा प्राप्त की है और अब व्यावहारिक अनुभव हासिल करना चाहते हैं.मध्यप्रदेश सरकार ने युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना की शुरुआत की है. इस योजना के तहत राज्य के युवाओं को न केवल विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाएगा, बल्कि उन्हें 8,000 से 10,000 तक का मासिक स्टायपेंड भी प्राप्त होगा.

बनिए फ्यूचर रेडी

आज का दौर तकनीक का है — और यही वजह है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्र अब करियर की नई दिशा दे रहे हैं. दुनियाभर की कंपनियां इन तकनीकों का इस्तेमाल हेल्थ, एजुकेशन, फाइनेंस और एंटरटेनमेंट तक में कर रही हैं. यही कारण है कि इन फील्ड्स में काम करने वाले स्किल्ड प्रोफेशनल्स की डिमांड तेजी से बढ़ रही है. अगर आप भी टेक्नोलॉजी सेक्टर में अपना करियर बनाना चाहते हैं, तो यहां दिए गए 10 हाई-डिमांड टेक कोर्सेस आपके लिए सुनहरा मौका साबित हो सकते हैं. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और ब्लॉकचेन जैसी तकनीकें अब भविष्य नहीं, वर्तमान का हिस्सा बन चुकी हैं. भारत समेत दुनियाभर में इन क्षेत्रों में कुशल प्रोफेशनल्स की मांग तेजी से बढ़ रही है.

बनाएं अपने कॅरियर को सफल

अगर आप अपनी पढ़ाई पूरी कर चुके हैं और अपने करियर के बारे में सोच रहे हैं, तो आपको यह सलाह दी जाती होगी कि आप आत्म-विश्लेषण करके ही कोई निर्णय लें. इसका मतलब है कि आपके पास कौन-से कौशल हैं और नौकरी को लेकर आपकी क्या अपेक्षाएं हैं? यह दृष्टिकोण पूरी तरह से तार्किक और तर्कसंगत तरीके पर आधारित होता है, जबकि असलियत इसके विपरीत है. करियर के निर्णय अक्सर भावनाओं, अनुभव और अप्रत्याशित अवसरों से प्रभावित होते हैं.

एक बार में एक ही विकल्प

एक साथ कई करियर विकल्पों पर सोचने के बजाय, आपको एक समय में केवल एक ही नौकरी के विचार पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए. इसके बाद, उससे जुड़ी सभी जानकारियां इकट्ठा कर लें. अगर नौकरी आपकी अपेक्षाओं के अनुरूप हो, तो ही उस दिशा में आगे बढ़े अन्यथा आप दूसरी नौकरी की ओर रुख कर सकते हैं. यह दृष्टिकोण करियर को लेकर होने वाली चिंता को भी कम करता है, क्योंकि इससे आप अपने लिए सर्वोत्तम विकल्प की तलाश कर पाते हैं.

रुचियों से मेल खाती नौकरी

अपनी रुचियों के अनुसार नौकरी को पहचान लेने के बाद उसमें आवेदन करें. आवेदन प्रक्रिया में आपको कंपनी, उसकी कार्य-संस्कृति और आपके कौशल भूमिका से मेल खाते हैं या नहीं, इसके बारे में जानने में मदद मिलती है. इंटरव्यू में प्राप्त फीडबैक, चाहे वह सकारात्मक हो या नकारात्मक, का आकलन करके आप अपनी भूमिका और करियर विकल्पों में आसानी से बदलाव कर सकते हैं.

शोध करने से न भागें

नौकरी की तलाश करते समय शोध करना बेहद जरूरी है. इससे आप यह जान पाएंगे कि आपकी डिग्री या कौशल उस भूमिका के लिए उपयुक्त हैं या नहीं. इसके अलावा, आपको उन भूमिकाओं के बारे में भी जानने का मौका मिलेगा, जिनमें आपकी दिलचस्पी तो है, लेकिन उससे जुड़ी डिग्री और कौशल आपके पास नहीं हैं. इससे ऐसे लोगों को बेहतरीन अवसर मिल सकते हैं, जो डिग्री से परे नए क्षेत्रों का रुख करना चाहते हैं.

देश की खुफिया एजेंसी में नौकरी का सुनहरा मौका

इंटेलिजेंस ब्यूरो ने असिस्टेंट सेंट्रल इंटेलिजेंस ऑफिसर (ग्रेड-।। / टेक्निकल पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है. मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, इच्छुक अभ्यर्थी 16 नवंबर 2025 तक आवेदन कर सकते हैं. इस भर्ती के तहत कुल 258 पद भरे जाएंगे — जिनमें से 90 पद कंप्यूटर साइंस एंड आईटी और 168 पद इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन के लिए आरक्षित हैं.

इस भर्ती के तहत कुल 258 रिक्त पद भरे जाएंगे. इनमें से 90 पद कंप्यूटर साइंस एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और 168 पद इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं. उम्मीदवारों के पास संबंधित क्षेत्र में इंजीनियरिंग ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन डिग्री होना अनिवार्य है. आयु सीमा 18 से 27 वर्ष निर्धारित की गई है. आरक्षित वर्गों को सरकार के नियमों के अनुसार आयु में छूट दी जाएगी.

बिहार बीपीएससी ने निकाली 14921 भर्तियां

21 अक्टूबर से शुरू हुई आवेदन प्रक्रिया, 24 नवंबर तक भर सकेंगे फॉर्म

बिहार स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (बीपीएससी) ने 2025 के लिए लोवर डिवीजन क्लर्क के 14921 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी है. आवेदन प्रक्रिया 21 अक्टूबर से शुरू हो चुकी है और उम्मीदवार 24 नवंबर 2025 तक आवेदन कर सकते हैं. इच्छुक उम्मीदवार बीपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट – बिहार स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (बीपीएससी) ने 2025 के लिए लोवर डिवीजन क्लर्क के 14921 पदों पर आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है. उम्मीदवार 24 नवंबर तक फॉर्म भर सकते हैं, जबकि आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 21 नवंबर तय की गई है. भर्ती के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं पास (10+2) निर्धारित की गई है.

साथ ही हिंदी आशुलेखन, टाइपिंग और कंप्यूटर संचालन का ज्ञान जरूरी है. अभ्यर्थी की आयु 18 से 37 वर्ष के बीच होनी चाहिए. पिछड़ा वर्ग और अत्यंत पिछड़ा वर्ग के लिए अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष, जबकि एससी/एसटी उम्मीदवारों के लिए 42 वर्ष रखी गई है. दिव्यांग उम्मीदवारों को ऊपरी आयु सीमा में 10 वर्ष की छूट दी जाएगी. आवेदन शुल्क 100 है, जिसे ऑनलाइन माध्यम से भुगतान किया जा सकता है. आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है – उम्मीदवारों को इसके ऑफिशियल बेवसाइट पर जाकर आवेदन करना पड़ेगा.